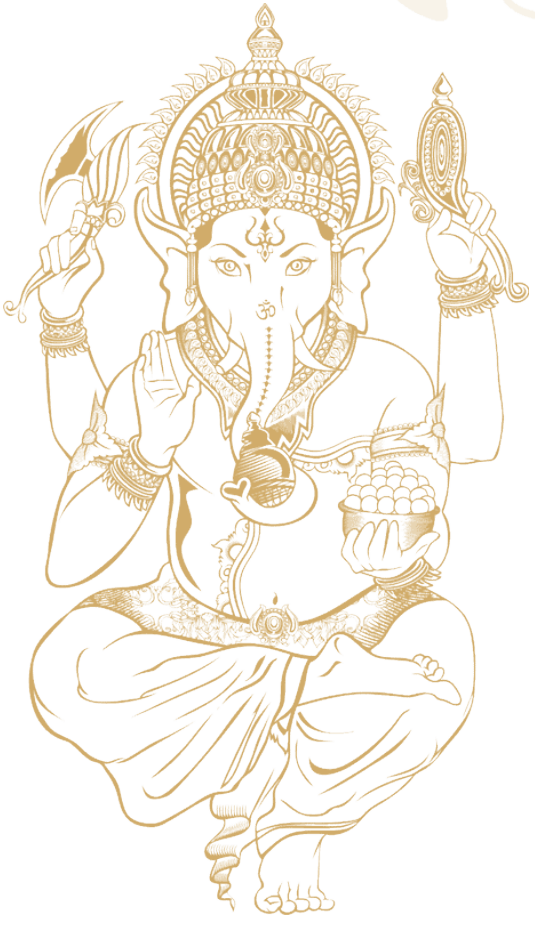

Bhavani mandi

V

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121541904

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/05/1999	जन्म तिथि	12/09/1998
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 09:25:00	जन्म समय	18:41:00 घंटे
घटी 09:26:01	जन्म समय(घटी)	31:15:42 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Kota
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:38:35	सूर्योदय	06:10:53
19:07:51	सूर्यास्त	18:33:42
23:50:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 9मा 1दि	25:24:52	मिथु	लग्न	कुंभ	29:24:10	**चन्द्र 3वर्ष 4मा 11दि**
गुरु	01:58:59	वृष	सूर्य	सिंह	25:44:05	**राहु**
16/02/2023	25:42:17	वृष	चंद्र	वृष	18:50:45	**23/01/2009**
16/02/2039	02:47:30	तुला व	मंगल	कर्क	20:39:22	**24/01/2027**
गुरु 06/04/2025	21:55:15	मेष	बुध	सिंह	14:01:40	राहु 06/10/2011
शनि 18/10/2027	27:59:58	मीन	गुरु व	कुंभ	29:41:40	गुरु 01/03/2014
बुध 23/01/2030	15:30:22	मिथु	शुक्र	सिंह	13:15:58	शनि 05/01/2017
केतु 30/12/2030	15:24:18	मेष	शनि व	मेष	09:08:01	बुध 25/07/2019
शुक्र 30/08/2033	22:39:30	कर्क व	राहु व	सिंह	07:31:05	केतु 12/08/2020
सूर्य 18/06/2034	22:39:30	मक व	केतु व	कुंभ	07:31:05	शुक्र 13/08/2023
चन्द्र 18/10/2035	22:56:21	मक	हर्ष व	मक	15:29:45	सूर्य 06/07/2024
मंगल 23/09/2036	10:29:45	मक व	नेप व	मक	05:46:21	चन्द्र 05/01/2026
राहु 16/02/2039	15:39:32	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	11:39:58	मंगल 24/01/2027

लग्न-चलित

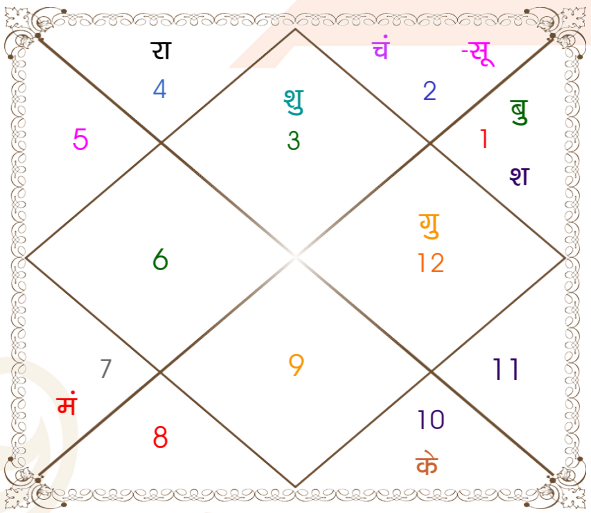

लग्न-चलित

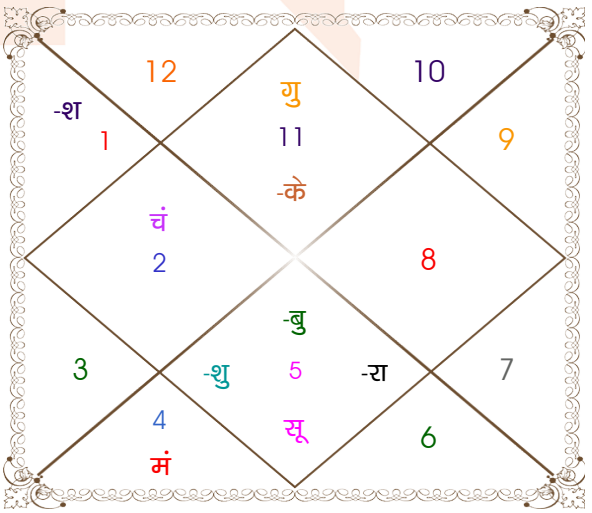

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सर्प	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	36.00		

ठींअंदप उंदकप का वर्ग मृग है तथा V का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूV मिलान के अनुसार ठींअंदप उंदकप और V का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ठींअंदप उंदकप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

V मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

ठींअंदप उंदकप तथा V में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूV एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।